# हम अपने घरों में स्वागत करते हैं उनका जो यीशू की सेवकाई करते हैं।

## बच्चों को सिखायें दूसरों के घरों में जाकर कैसे सेवकाई करें।

बच्चों के कार्यक्रमों से जो आवश्यकता और आयु के अनुसार उचित है वे चुन लें।

**प्रार्थना :** ''परमेश्वर, कृपया बच्चों की सहायता करें जिससे वे घर बैठे ऐसे रस्तों को ढूंढे, जिनसे आपकी सेवा कर सके''

तैयरी करे सिखाने के लिए एक कहानी जिससे एक भविष्यद्वक्ता के लिए एक कमरा बनाना। पढ़े **2 राजा 4:8–37** और ढूंढे कि किस प्रकार एक स्त्री को जो यात्रियों का सत्कार करती थी, परमेश्वर ने उसे आशिष दी।

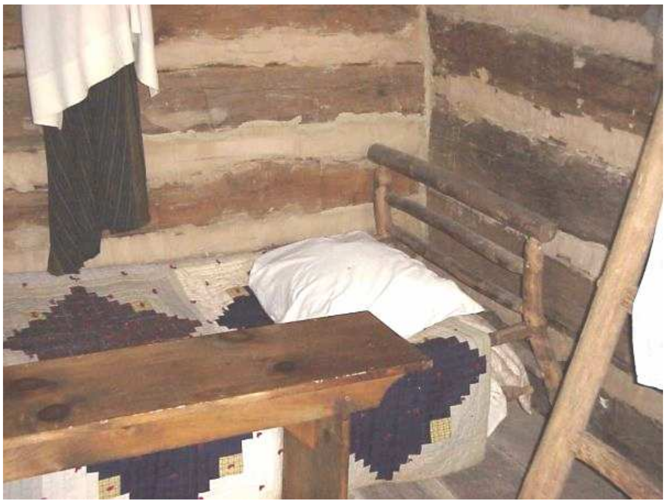

इन प्रश्नों के उत्तर ढूंढे। उत्तर प्रत्येक प्रश्न के बाद है।

- एलीशा के लिए स्त्री ने क्या किया? *(देखें आयत 10)*
- एलीशा ने स्त्री के लिए क्या किया? *(देखें आयत 16)*
- बालक लड़के को क्या हो गया था? *(देखें आयत 20)*
- स्त्री सहायता के लिए किसके पास जाती है? *(देखें आयत 27)*
- एलीशा ने लड़के की सहायता करने से पहले क्या किया? *(देखें आयत 33)*
- एलीशा ने बालक के लिए क्या किया? *(देखें आयत 35)*

अब कोई बड़ा बच्चा या शिक्षक भविष्यद्वक्ता के कमरे की कहानी याद करके सुनायें

2 राजा 4:8–37 कहानी के आधार पर नाटक करें।

- मुख्य कलीसिया के अगुवों की सहायता से आराधना के बीच बच्चों द्वारा नाटक प्रस्तुत किया जाये।
- बड़े बच्चे छोटो की तैयारी में मदद करें।
- आपको सभी भाग प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं।

बड़े बच्चे या व्यस्क नाटक के मुख्य पात्र एलीशा, स्त्री, पति और वाचक की भूमिका निभायें।

- वाचक कहानी को सारांश में बच्चों को सुनाये और उन्हें क्या कहना है बतायें।
- एलीशा के पास चलने के लिए एक घड़ी हो

छोटे बच्चे लड़के और कार्यकर्ताओ के पात्र का भाग प्रस्तुत करें।

**वाचक :** 2 राजा 4:8-16 के प्रथम भाग से कहानी सुनायें और कहे, ''सुनो शूनेमी स्त्री अपने पति से क्या कहती है?''

**स्त्री :** ''सुन मैं इस भविष्द्धक्ता के लिए कुछ करना चाहती हूं जो अक्सर हमारे घर भेंट करने आता है। क्या हम इसके लिये एक कमरा बना दे, जिससे जब भी यहाँ आये तो उसमें ठहर सके।

**पति :** ''यह तो अच्छा विचार है। मैं ऊपर छत पर बनवा देता हूँ।

**एलीशा :** दरवाजा खटखटाता है और कहता है हम आपसे भेंट करने आये हैं।

**स्त्री :** ''आपका स्वागत है एलीशा अन्दर आइये। देखिये यह कमरा हमने आपके लिए बनवाया है।

**एलीशा :** ''धन्यवाद आपका मैं परमेश्वर से प्रार्थना करूगा कि इस सत्कार के लिए परमेश्वर आपको आशिष दे। मैं जानता हूँ आपके कोई पुत्र नहीं है। अमले वर्ष एक लड़का आपकी बाहों में होगा।''

**वाचक :** 2 राजा 4:87-25 दूसरे भाग से बतायें। ''सुनिये बच्चा अपने पिता से क्या कहता है?''

**बालक :** ''पिताजी मैं भी आज आपके साथ खेतो में जाऊँगा।''

**पति :** ''हाँ मेरे बच्चे। आओ मेरे काम में मेरी मदद करो (पति और बालक वहाँ जाते हैं जहाँ काम करने वाले गेहूँ काट रहे हैं)।

**कार्यकर्त्ता :** (काम करने वाले) ''नमस्कार महोदय''। परमेश्वर आपको और आपके बेटे को आशिष दे।

**बालक :** अपना सिर पकड़ते हुये शिकायत करता है। ''हाय!हाय! दर्द हो रहा है! पिताजी मेरे सिर में बहुत दर्द हो रहा है।''

**पति :** (एक काम करने वाले से कहता है, ''जाओ बालक को इसकी माता के पास ले जाओ।''

**स्त्री :** बालक को पकड़े रखती है, जब तक वह मर नहीं जाता (फर्श पर गिर जाता है) और काम करने वाले से कहती है '' मेरे लिए एक गदहा लाओ।''

**वाचक :** 2 राजा 4:26-37 तीसरे भाग से सुनाता है और कहता है ''सुनो एलीशा अपने नौकर गेहजी से क्या कहता है।''

**एलीशा :** ''वहाँ तो शूनेमिन स्त्री है। मैं हैरान हूँ क्या बात हो गई हैं?''

**स्त्री :** चलते चलते, अपने आँसू पोछतें हुये, बिना जवाब दिये एलीशा के पास जाती है और कहती है, ''मेरा बेटा मर गया है, मेरी मदद करो!''

**एलीशा :** आईये उसके पास चलते हैं। (स्त्री के साथ उसके घर जाता है और बच्चे के पास घुटने टेककर प्रार्थना करता है। और फिर बच्चे पर चढ़कर लेट गया)

**लड़का :** बहुत बार छींकता है और उठ कर बैठ जाता है।

**एलीशा :** ''यह रहा आपका बेटा।''

**वाचक :** धन्यवाद सभी लोगो का जिन्होंने इस नाटक में सहायता की।

**प्रश्न पूछे।** अगर बच्चे इस कहानी को नाटक के रूप में व्यस्को के लिए प्रस्तुत करे तब भी व्यस्को से ऊपर लिखित प्रश्न पूछें।

**हर बच्चा इस कहानी** से विभिन्न प्रकार की वस्तु या व्यक्ति का आकार के चित्र खीचे

- वे आकार बना सकते हैं कमरा, एक पत्थर के घर की समतल छत पर, एक मेज़, एक कुर्सी, एक लैम्प, एक बिस्तर, बच्चा सिर पकड़े हुये, एक गदही, या एलीशा की छड़ी।

- शिक्षक भी एक कमरे का जिसमें बिस्तर लगा हो, एक मेज़, एक कुर्सी और एक लैम्प चित्र बना सकते है और बड़े बच्चे उन चित्रों की नकल कर सकते हैं
- बड़े बच्चे छोटे बच्चो को चित्र बनाने में सहायता करें।
- आराधना के समय बच्चे व्यस्क लोगों को अपने द्वारा बनाये हुये चित्रों को दिखायें, और समझायें कि किस प्रकार आदर सत्कार उन लोगों के प्रति दिखायें जो परमेश्वर की सेवाकार्य करते हैं।

आईये अब बच्चे दूसरे उदाहरण देकर बतायें कि किस प्रकार हम अपने घरों को प्रभु की सेवाकार्य के लिये इस्तेमाल कर सकते हैं। और यह भी पूछें, ''कि किन विभिन्न स्थानों पर लोग जाकर परमेश्वर की आराधना कर सकते हैं?''

**कविता** चार बच्चे और हर एक बच्चा भजन संहिता 24:7-10 तक को स्वर में गाये।

**बड़े बच्चे कविता या गाना लिखें** यह विषय पर हो कि परमेश्वर की सेवाकार्य हमारे घरों में हो या हमारे घरों को मिलने इकट्ठा होने के लिए इस्तेमाल कर जिससे परमेश्वर की आराधना हो सके।

छोटे बच्चे इफिसियो 2:19 याद करे, और बड़े बच्चे इफिसियों 2:1-20

**प्रार्थना:** हे परमेश्वर सारी पृथ्वी तेरी है। हमारे घर भी आपके हैं। हमारे घरों से स्तुति स्वीकार करने के लिये धन्यवाद। हम चाहते हैं हमारे परिवार आदर सत्कार का पुरस्कार आपको दे सके, धन्यवाद।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net